मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 29 मई 2017

नजमा हेपतुल्ला जामिया मिल्लिया इस्लामिया की नई चांसलर

मणिपुर की राज्यपाल और अल्पसंख्यक मामलों की पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा.नजमा ए. हेपतुल्ला जामिया मिल्लिया इसलामिया की चांसलर :अमीर–ए–जामियाः नियुक्त हुई हैं। जेएमआई के कोर्ट :अंजुमनः ने 25 मई 2017 को एक खास बैठक में एकराय से उन्हें पांच साल के वास्ते इस पद के लिए चुना है।

77 वर्षीय डा हेपतुल्ला ने लेफ्टिनेंट जनरल :रिटार्यडः एम ए ज़की का स्थान लिया है जिनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। हेपतुल्ला का पांच साल का कार्यकाल 26 मई 2017 से शुरू हुआ है।

स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की नातिन डा हेपतुल्ला 1986 से 2012 तक पांच बार राज्य सभा की सदस्य रहीं। इस उच्च सदन की वह 16 साल तक उप सभापति रहीं।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने डा हेपतुल्ला को विश्वविद्यालय का चांसलर नियुक्त किए जाने पर खुशी का इज़हार करते हुए कहा, '' जामिया मिल्लिया इस्लामिया डा हेपतुल्ला के सियासी और सार्वजनिक दोनों अनुभवों से लाभान्वित होगा। हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमें उनके साथ काम करते हुए उनके संसद और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से सीखने का मौका मिलेगा।''

प्रो अहमद ने कहा कि जेएआई निर्वतमान चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल :रिटार्यडः एम ए ज़की द्वारा दिए गए समर्थन और दिशा निर्देशों का भी सदा रिणी रहेगा।

डा हेपतुल्ला को 1993 में अंतर संसदीय संघ के महिला सांसदों की बैठक की अध्यक्षता करने का भी सौभाग्य मिला है। वह 1999 से 2002 तक के लिए अतंर संसदीय संघ :आईपीयू: की अध्यक्ष भी थीं।

उन्होंने ''एड्सः एप्रोचेस टू प्रवेंशन'' शीर्षक से एक किताब भी लिखी। उन्होंने मानव सामाजिक सुरक्षा, सतत विकास, पर्यावरण, महिला स्थिति सुधार और भारत तथा पश्चिम एशिया के संबंधों पर पुस्तकें लिखीं हैं।

डा हेपतुल्ला मणिपुर की राज्यपाल नियुक्त होने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैबिनेट में अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री भी रहीं।

साइमा सईद

डिप्टी मीडिया कोआर्डिनैटर